।। सा विद्या या विमुक्तये ।।
स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड
"ज्ञानतीर्थ" परिसर, विष्णुपूरी, नांदेड - ४३१६०६ (महाराष्ट्र)
SWAMI RAMANAND TEERTH MARATHWADA UNIVERSITY NANDED
"Dnyanteerth", Vishnupuri, Nanded - 431606 Maharashtra State (INDIA)
Established on 17th September 1994 – Recognized by the UGC U/s 2(f) and 12(B), NAAC Re-accredited with 'A' Grade
25 1994 - 2019 SILVER JUBILEE YEAR

ACADEMIC (1-BOARD OF STUDIES) SECTION

Phone: (02462) 229542
Fax : (02462) 229574
Website: www.srtmun.ac.in
E-mail: bos.srtmun@gmail.com

संलग्नित महाविद्यालयांतील मानवविज्ञान विद्याशाखेतील पदवी स्तरावरील प्रथम वर्षाचे CBCS Pattern नुसारचे अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०१९–२० पासून लागू करण्याबाबत.

प रि प त्र क

या परिपत्रकान्वये सर्व संबंधितांना कळविण्यात येते की, **दिनांक ३० एप्रिल २०१९ रोजी संपन्न झालेल्या ४३व्या मा. विद्या परिषद बैठकीतील ऐनवेळचा विषय क्र.५/४३–२०१९** च्या ठरावानुसार प्रस्तुत विद्यापीठाच्या **संलग्नित महाविद्यालयांतील मानवविज्ञान विद्याशाखेतील पदवी स्तरावरील प्रथम वर्षाचे** खालील विषयांचे **C.B.C.S. (Choice Based Credit System) Pattern** नुसारचे अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०१९–२० पासून लागू करण्यात येत आहेत.

१) बी.ए.–प्रथम वर्ष–इंग्रजी (अनिवार्य, अतिरिक्त (द्वितीय भाषा), फंक्शनल इंग्रजी, ऐच्छिक)
२) बी.ए.–प्रथम वर्ष–हिंदी (द्वितीय भाषा, ऐच्छिक)
३) बी.ए.–प्रथम वर्ष–मराठी (द्वितीय भाषा, ऐच्छिक)
४) बी.ए.–प्रथम वर्ष–पाली (द्वितीय भाषा, ऐच्छिक)
५) बी.ए.–प्रथम वर्ष–संस्कृत (द्वितीय भाषा, ऐच्छिक)
६) बी.ए.–प्रथम वर्ष–उर्दू (द्वितीय भाषा, ऐच्छिक)
७) बी.ए.–प्रथम वर्ष–अर्थशास्त्र
८) बी.ए.–प्रथम वर्ष–भूगोल
९) बी.ए.–प्रथम वर्ष–इतिहास
१०) बी.ए.–प्रथम वर्ष–सैनिकशास्त्र
११) बी.ए.–प्रथम वर्ष–तत्त्वज्ञान
१२) बी.ए.–प्रथम वर्ष–राज्यशास्त्र
१३) बी.ए.–प्रथम वर्ष–मानसशास्त्र
१४) बी.ए.–प्रथम वर्ष–लोकप्रशासन
१५) बी.ए.–प्रथम वर्ष–समाजशास्त्र
१६) बी.ए.–प्रथम वर्ष–ॲडमिनिस्ट्रेटीव्ह सर्व्हिस

सदरील परिपत्रक व अभ्यासक्रम प्रस्तुत विद्यापीठाच्या **www.srtmun.ac.in** या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहेत. तरी सदरील बाब ही सर्व संबंधितांच्या निदर्शनास आणून द्यावी.

'ज्ञानतीर्थ' परिसर,
विष्णुपुरी, नांदेड – ४३१ ६०६.
जा.क्र.: शैक्षणिक–०१/परिपत्रक/पदवी–सीबीसीएस अभ्यासक्रम/२०१९–२०/**६६**
दिनांक : १७.०६.२०१९.

स्वाक्षरित/–
उपकुलसचिव
शैक्षणिक (१–अभ्यासमंडळ) विभाग

प्रत माहिती व पुढील कार्यवाहीस्तव :
१) मा. कुलसचिव यांचे कार्यालय, प्रस्तुत विद्यापीठ.
२) मा. संचालक, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळ यांचे कार्यालय, प्रस्तुत विद्यापीठ.
३) प्राचार्य, सर्व संबंधित संलग्नित महाविद्यालये, प्रस्तुत विद्यापीठ.
४) उपकुलसचिव, पदव्युत्तर विभाग, प्रस्तुत विद्यापीठ.
५) साहाय्यक कुलसचिव, पात्रता विभाग, प्रस्तुत विद्यापीठ.
६) सिस्टम एक्सपर्ट, शैक्षणिक विभाग, प्रस्तुत विद्यापीठ.

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड
'ज्ञानतीर्थ' विष्णुपुरी, नांदेड

पदवी प्रथम वर्ष हिन्दी पाठ्यक्रम

नवीन सत्र पध्दती + C.B.C.S. पॅटर्न

स्नातक स्तर

जून २०१९ से प्रारंभ

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

स्नातक प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम तथा कार्यभार वितरण

विषय : हिंदी (बी.ए.,बी.कॉम.,बी.एससी.एवं अन्य स्नातक प्रथम वर्ष के लिए)

श्रेयांक पध्दति (CBCS Pattern) पाठ्यक्रम

हिंदी ऐच्छिक और द्वितीय भाषा (Second Language)

शैक्षणिक वर्ष : २०१९-२० (जून २०१९ से आरंभ)

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र क्र (Paper No.)	प्रश्नपत्र का नाम (Name of the Paper)	सप्ताह की तासिका (Periods of Week)	पूर्ण तासिकाएँ (Total Periods)	निरंतर मूल्यांकन (CA)	सत्रांत परीक्षा (ESE)	कुल अंक (Total Marks)	श्रेयांक (Credits)
प्रथम सत्र I	I	कथा साहित्य	04	55	35	40	75	03
	II	नाटक तथा एकांकी	04	55	35	40	75	03
	S.L.I	साहित्य भारती (SL)	04	55	35	40	75	03
		Total = I	12	165	105	120	225	09
द्वितीय सत्र II	III	कथा साहित्य	04	55	35	40	75	03
	IV	नाटक तथा एकांकी	04	55	35	40	75	03
	S.L.II	साहित्य भारती (S.L.)	04	55	35	40	75	03
		Total = II	**12**	**165**	**105**	**120**	**225**	**09**
		Total = I+II	**24**	**330**	**210**	**240**	**450**	**18**

कथा साहित्य

उद्देश्य :

१) हिंदी साहित्य की कहानी और उपन्यास विधा से छात्रों को परिचित कराना।

२) कथा साहित्य की लेखन शैली से परिचित कराना।

३) कथा साहित्य के माध्यम से छात्रों की चिंतन तथा लेखन कौशल की क्षमता को विकसित करना।

४) विविध पात्रों की मानसिकता एवं क्रिया कलापों से छात्रों में सही और गलत को परखने की क्षमता विकसित करना।

५) कथा साहित्य के माध्यम से छात्रों को विविध समस्याओं से अवगत कर उन समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें प्रेरित करना।

महत्व :

मनुष्य के जीवन में कथाओं की परंपरा का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। आज हिंदी कथा साहित्य में कहानी और उपन्यास विधा मनुष्य की बौध्दिक तथा मानसिक क्षमता को परिष्कृत कर उन्हें समाज एवं राष्ट्रहित की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। युवा शक्ती को राष्ट्र विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। अत: कहानी और उपन्यास के अध्ययन से एक ओर छात्रों को रचनाकारों की लेखन शैली का ज्ञान होता है तो दूसरी ओर कथा साहित्य में वर्णित विविध समस्याओं की जानकारी मिलती है और उन समस्याओं के समाधान के लिए एक निश्चित दिशा मिलती है। कथा साहित्य छात्रों को नैतिक मूल्यों की रक्षा कर उन्हें प्रचारित करने के लिए प्रेरित करता है। इतना ही नही तो उनमें उचित अनुचित को परखने की क्षमता निर्माण करता है।

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड
बी.ए. प्रथम वर्ष ऐच्छिक हिंदी
नूतन पाठ्यक्रम सत्र पध्दति + C.B.C.S. पॅटर्न
प्रथम सत्र (Semester I) प्रश्नपत्र क्र. I
(कथा साहित्य)

Credits : 03
ESE-40 Marks and C.A. 35 Marks = अंक ७५ **तासिका : ५५**

पाठ्यक्रम

खण्ड क) उपन्यास तासिका : २५
खंजन नयन : अमृतलाल नागर : राजपाल एण्ड सन्स, कश्मिरी गेट, दिल्ली

खण्ड ख) कहानियाँ तासिका : २०

१) उसने कहा था	चंद्रधर शर्मा गुलेरी
२) सुजान भगत	प्रेमचंद
३) पुरस्कार	जयशंकर प्रसाद
४) खेल	जैनेंद्रकुमार
५) मलबे का मालिक	मोहन राकेश
६) गेंद	चित्रा मुद्गल

खण्ड ग) अंतर्गत मूल्यांकन (C.A.) अंक : ३५ तासिका: १०
१) कक्षा परीक्षा २ (१०+१०)अंक २०
२) स्वाध्याय अंक १५

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न १ उपन्यास पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न अंक : १५
प्रश्न २ कहानियों पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न अंक : १५
प्रश्न ३ टिप्पणी :
क) उपन्यास पर विकल्प के साथ टिप्पणी अंक : ०५
ख) कहानियों पर विकल्प के साथ टिप्पणी अंक : ०५

४०
अंतर्गत मूल्यांकन : ३५

कुल अंक ७५

नाटक तथा एकांकी

उद्देश्य :

१) नाटक और एकांकी विधा से परिचित करना।

२) नाटक के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करना ।

३) संवाद लेखन-वाचन कौशल का विकास करना।

४) रंगमंच से संबंधित जानकारी छात्रों को देना ।

५) अभिनय के प्रति आकर्षण निर्माण करना।

महत्व :

नाटक और एकांकी दृक-श्राव्य माध्यम की अत्यंत प्राचीन साहित्य विधा है। जिसमें भाव-भावना और विचारों का प्रतिपादन पात्राभिनय द्वारा होता है। इस विधा ने कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य और युगपुरूषों की जीवनियों को युगानूरूप प्रस्तुत किया है। दृक-श्राव्य विधा होने के कारण दर्शकों को रसानुभूति दिलाने में सहायता करती है। भारतेंदू तथा उनके समकालीन नाटककारों ने लोकचेतना के विकास के लिए नाटक और एकांकियों का निर्माण किया। सामाजिक समस्याओं की अभिव्यक्ति करने का एक सशक्त और प्रभावी माध्यम नाटक और एकांकी है। इनके अध्ययन से मनोरंजन के साथ अभिनय और लेखन के क्षेत्र में रोजगार की उपलब्धि भी होती है।

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड
बी.ए. प्रथम वर्ष ऐच्छिक हिंदी
नूतन पाठ्यक्रम सत्र पध्दति + C.B.C.S. पॅटर्न
प्रथम सत्र (Semester I) प्रश्नपत्र क्र. II
(नाटक तथा एकांकी)

Credits : 03
ESE-40 Marks and C.A. 35 Marks = अंक ७५ **तासिका : ५५**

पाठ्यक्रम

खण्ड क) नाटक तासिका : २५
धरती आबा : ऋषिकेश सुलभ : राजकमल प्रकाशन, प्रा.लि.
नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली

खण्ड ख) एकांकी तासिका : २०
१) सीमा रेखा विष्णु प्रभाकर
२) पृथ्वीराज की आँखे (भाग २) डॉ. रामकुमार वर्मा
३) अशोक वन लक्ष्मीनारायण मिश्र
४) नये मेहमान उदयशंकर भट्ट
५) रीड की हड्डी जगदीशचंद्र माथुर

खण्ड ग) अंतर्गत मूल्यांकन (C.A.) अंक : ३५ तासिका: १०
१) कक्षा परीक्षा २(१०+१०) अंक २०
२) स्वाध्याय अंक १५

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न १ नाटक पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न अंक : १५
प्रश्न २ एकांकियों पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न अंक : १५
प्रश्न ३ टिप्पणी :
क) नाटक पर विकल्प के साथ टिप्पणी अंक : ०५
ख) एकांकियों पर विकल्प के साथ टिप्पणी अंक : ०५

४०

अंतर्गत मूल्यांकन : ३५

कुल अंक ७५

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड
बी.ए. प्रथम वर्ष ऐच्छिक हिंदी
नूतन पाठ्यक्रम सत्र पध्दति + C.B.C.S. पॅटर्न
द्वितीय सत्र (Semester II) प्रश्नपत्र क्र. III
(कथा साहित्य)

Credits : 03
ESE-40 Marks and C.A. 35 Marks = अंक ७५ **तासिका : ५५**

पाठ्यक्रम

खण्ड क) उपन्यास तासिका : २५
पचपन खंबे लाल दिवारे : उषा प्रियवंदा
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

खण्ड ख) कहानियाँ तासिका : २०

१)	निर्वासित	सूर्यबाला
२)	कोसी का घटवार	शेखर जोशी
३)	गृह प्रवेश	शालीनी
४)	अकाल मृत्यु	स्वयंप्रकाश
५)	सबसे कठीन काम	मधु कांकरिया
६)	साहब फिर कब आएंगे माँ ?	दामोदर खडसे

खण्ड ग) अंतर्गत मूल्यांकन (C.A.) अंक : ३५ तासिका: १०
१) कक्षा परीक्षा २ (१०+१०) अंक १०
२) स्वाध्याय अंक १५

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न १ उपन्यास पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न अंक : १५
प्रश्न २ कहानियों पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न अंक : १५
प्रश्न ३ टिप्पणी :
क) उपन्यास पर विकल्प के साथ टिप्पणी अंक : ०५
ख) कहानियों पर विकल्प के साथ टिप्पणी अंक : ०५

४०
अंतर्गत मूल्यांकन : ३५

कुल अंक ७५

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड
बी.ए. प्रथम वर्ष ऐच्छिक हिंदी
नूतन पाठ्यक्रम सत्र पध्दति + C.B.C.S. पॅटर्न
द्वितीय सत्र (Semester II) प्रश्नपत्र क्र. IV
(नाटक तथा एकांकी)

Credits : 03
ESE-40 Marks and C.A. 35 Marks = अंक ७५ **तासिका : ५५**

पाठ्यक्रम

खण्ड क) नाटक तासिका : २५

अभंग गाथा : नरेंद्र मोहन : जगतराम एण्ड सन्स, ९/२३१
मेन रोड, गांधी नगर, दिल्ली-११००३१

खण्ड ख) एकांकी तासिका : २०

१) कालपुरूष और अजन्ता की नर्तकी	लक्ष्मीनारायण लाल
२) चरवाहे	उपेन्द्रनाथ अश्क
३) बहू की बिदा	विनोद रस्तोगी
४) बा और बापू	रामनरेश त्रिपाठी
५) शहादत	रंगनाथ तिवारी

खण्ड ग) अंतर्गत मूल्यांकन (C.A.) अंक : ३५ तासिका: १०

१) कक्षा परीक्षा २ (१०+१०)	अंक २०
२) स्वाध्याय	अंक १५

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न १ नाटक पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न अंक : १५
प्रश्न २ एकांकियों पर पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न अंक : १५
प्रश्न ३ टिप्पणी :
क) नाटक पर विकल्प के साथ टिप्पणी अंक : ०५
ख) एकांकियों पर विकल्प के साथ टिप्पणी अंक : ०५

४०
अंतर्गत मूल्यांकन : ३५

कुल अंक ७५

साहित्य भारती S.L.

उद्देश :

१) द्वितीय भाषा के रूप में छात्रों को हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय देना।

२) कालानुरूप कहानी और काव्य में आये परिवर्तन को समझना।

३) कहानी और काव्य के माध्यम से छात्रों को परिष्कृत करना।

४) छात्रों को हिंदी के व्यव्हारिक ज्ञान से अवगत कराना।

५) हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करना।

६) रचनाओं में व्यक्त समस्याओं के समाधान के लिए छात्रों को प्रेरित कर नैतिक मूल्यों को स्थापित करना।

महत्व :

साहित्य जीवन का पथदर्शक है। वह मनुष्य के जीवन में सकारात्मक और रचनात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है। इस दृष्टि से सामान्य हिंदी का अध्ययन कर विविध संकायों में पढ रहे छात्रों में हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति रूचि उत्पन्न होती है। उन्हें व्यव्हारिक हिंदी का ज्ञान प्राप्त होता है । इतना ही नही तो हिंदी कहानियाँ और कविताएँ उनके मन मस्तिष्क को परिष्कृत करने में साह्यता करती है। वे पठित रचनाओं के माध्यम से विविध समस्याओं से परिचित हो जाते है। और उन समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहते है।

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड
बी.ए., बी.कॉम., बी.एस्सी. प्रथम वर्ष द्वितीय भाषा हिंदी (SL)
नूतन पाठ्यक्रम सत्र पध्दति + C.B.C.S. पॅटर्न
प्रथम सत्र (Semester I) प्रश्नपत्र क्र. I
(साहित्य भारती)

Credits : 03
ESE-40 Marks and C.A. 35 Marks = अंक ७५ **तासिका : ५५**

पाठ्यक्रम

खण्ड क) कहानी विभाग तासिका : २०

१) एक टोकरीभर मिट्टी	माधवराव सप्रे
२) ठाकूर का कुआ	प्रेमचंद
३) ममता	जयशंकर प्रसाद
४) गुलकी बन्नो	धर्मवीर भारती
५) ढाई बीघा जमीन	मृदुला सिन्हा
६) शिक्का बदल गया	कृष्णा सोबती

खण्ड ख) काव्य विभाग तासिका : २०

१) बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु	निराला
२) सखी, वे मुझसे कहकर जाते	मैथिलीशरण गुप्त
३) वीरों का कैसा हो बसंत	सुभद्राकुमारी चौहान
४) हरि घाँस पर क्षण भर	अज्ञेय
५) प्याला	हरिवंशराय बच्चन
६) गीत नया गाता हूँ	अटल बिहारी वाजपेयी

खण्ड ग) प्रयोजनमूलक हिंदी तासिका: ०५
वृत्तांत लेखन : प्रारुप और उदाहरण

खण्ड घ) अंतर्गत मूल्यांकन (C.A.) अंक ३५ तासिका १०

१) कक्षा परीक्षा २ (१०+१०)	अंक २०
२) स्वाध्याय	अंक १५

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न १ कहानी पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	अंक : १५
प्रश्न २ काव्य पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	अंक : १५
प्रश्न ३ खण्ड ग विकल्प के साथ प्रश्न	अंक : १०

	४०
अंतर्गत मूल्यांकन :	३५

कुल अंक	**७५**

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड
बी.ए., बी.कॉम., बी.एस्सी. प्रथम वर्ष द्वितीय भाषा हिंदी (SL)
नूतन पाठ्यक्रम सत्र पध्दति + C.B.C.S. पॅटर्न
द्वितीय सत्र (Semester II) प्रश्नपत्र क्र. II
(साहित्य भारती)

Credits : 03
ESE-40 Marks and C.A. 35 Marks = अंक ७५ **तासिका : ५५**

पाठ्यक्रम

खण्ड क) कहानी विभाग तासिका : २०

१) शैलेश मटियानी	उसने तो नहीं कहा था
२) आशिर्वाद	सुषमासिंह
३) जरा समझो	सुशीला टाकभोरे
४) बेठन	निरजा माधव
५) मंडन मिसिर की खुरपि	सूर्यनाथ सिंह
६) हत्या	बरखा शर्मा

खण्ड ख) काव्य विभाग तासिका : २०

१) यह वह भारतवर्ष नही	उदय प्रताप
२) माँ के लिए ससुराल जाने से पहले	निर्मला पुतुल
३) जब भी औरत ने अपनी सीमा-रेखा को पार किया	जहिर कुरेशी
४) चुनाव	अनुजप्रतापसिंह
५) सपना	कर्मानंद आर्य
६) मारे जाएंगे	राजेश जोशी

खण्ड ग) प्रयोजनमूलक हिंदी तासिका: ०५
पत्र लेखन : स्वरूप एवं प्रारुप, आवेदनपत्र, पारिवारिक पत्र

खण्ड घ) अंतर्गत मूल्यांकन (C.A.) अंक ३५ तासिका १०

७) कक्षा परीक्षा २ (१०+१०)	अंक २०
८) स्वाध्याय	अंक १५

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न १ कहानी पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	अंक : १५
प्रश्न २ काव्य पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	अंक : १५
प्रश्न ३ खण्ड 'ग' विकल्प के साथ प्रश्न	अंक : १०

* * * * *